अर्रे श्चित्र क्षेत्र क्षेत्र

र्देरःगर्डटःयहेग्रायेदःग्रेयःगर्स्यया

न्ये अर्देन विरामितान

र्भर भुवयाषयायम्।

क्रीश. ४००५ क्रि. .च. १ त्रुप्ट क्र्य. १० जा। ।।

क्राचारात्रीय त्रिक्ष्य १ व्याप्त व्यापत व्याप

© 2009 The Library of Tibetan Works & Archives First Edition 2009

ALL RIGHTS RESERVED

No portion of this book may be reproduced or used in any form, or by any means, without prior permission of the publisher.

ISBN: 978-81-86470-82-4

Published by the Library of Tibetan Works & Archives,

Dharamsala, H.P. and printed at ?

र्नेट्रिशस्यरःया

Tibetans

ब्रे'ॐदि'ऄॣॕॸॱॿॣॆॸऻॺॱनॺॱनषुॺॱनदी'न्गॸॱख़न

न्धे सूव ग्राया	7 <u>9</u> 51	9
রিমাশ. €. তামাশ.		20
ઌૣૼૣૹ૽૾ૄૹ.ౘ૽૽ૺ૮.૪ૢૹ.	रें ब्रें न से न धेन	32
	गर्रें य न है क थे म	6=
ダ. [・] [・] ダ. ゴニッタ		64
ફ્રેંચ'ય'ર્સે'સર્જ્ય		40
	'ন'ন্দ্ৰ'শ্ব'ৰীশ	
and the second s	ষ্ট্রীনান্সমণনা	ŋ
	ने न'र्मों न'र्मों न 'र्में न'र्में प्रमा	ጎ Ϡ
	ଵ ଽୄୄୣୠ୶ୡ୳୶ଵ୕ୣ୕୶ୣୣୠୣୄ୷ୠୖ	ሻ ሻ
	नेन कॅन की खे छ कि	હય
শৃতীশ	_{ૹ૾ૢ૾} ૡઃૠ૽ૼૼૹ૽ૣૺઽઃૹૼઽ [੶]	હય
শ্বিশা	ମ୍ରି:ଝିଁ:ସଜ୍ୱା	ጎባ
(শৃত্বিশ)	ग्वर्धेग	<u> </u>
(শ্ৰীশা)	क्षें र प्रा	ጎ ၆
(শ্র্মা)	五二、 カー・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・・	ረ ሬ
(ସମ୍ବା)	क्षेम'मे महिंद्र'।	ጎ ၆
শ্ৰুমা	স্থ্ৰ	۲ عا
ସ୍ୱା	र्ने र व ग	16
쥗	र्रेट र्चे ब्रे पनु का	(le

VIII

5	र् <u>द</u> ेर [.] नेना		(1)
(ग्रेश)	ন্'শুহ'়		900
न रुवा	শ্বীদ'ক্য		900
বক্তুব্য	कु:विंग		J0=
ব্ শ্য	बर्दें न्		906
ন্ত্ৰু	ক্তু'আ		goy
ন্তু'ল্'ইল	ସଛାଂଧ୍ୟୁ ଅ		Jok
ন্তু শ্লিমা	র্দ্ <u>দ</u> র্ভব বর্ণ্ড্রা		904
ন্তু দার্ঝা	羊口:克:黃有:養利		990
न्रुं निही	ट्रॅट. ॳ्ट्र्येये.क्र्.की		999
(শৃষ্ঠিশ্)	ब्रि.पद्मट.ज.चि		993
(ग्रेश्)	र्बे तर्से ८ र है।		ባባጓ
(শ্র্ষা)	হ্র'র্কুহ'		ባባጓ
(ସଜ୍ୱା)	नुदःख्रुन्।		ያያৎ
(원)	कें वर्		ያያৎ
(長可)	พ.ฮัร.ฮ.ฮฺรๅ		99%
ลู'สร'รร' ²	নৈ'ৰ্ক্সন'।		ปปฑ
	1 1		
<u> おどらこがま</u>	डाके कार्के कार्यकारी है।	×3.≆~	14.4
ها بر الجراب	য় ৾৻ঌড় ৾ৠয়য়৾৻ৠ		9¢ (
1 ~ 1	ada raga		da /
รร ^ร ับ	ষ্ট্রীরে'বাক্ষণবন। ইংক্রমক্রিক্র		9 <i>\ (</i> 9\9
ন্ত্ৰীশ্ব। লক্ষ্য	ঊ'ৄর্নিনা'নী'ৠই'ॐ। ₹৴৴		
य है या	र्के र सर्वे सःवर्षः		JYJ
या देश	अर्मे द्वः मृत्या र्हेरः स्या		קע ע קע ע
শৃষ্যা	र्शे विष		บหา บิ(จ
प्रति।	ન્ શ્રે:મુત્યા		ŋĿŋ

ନ୍ତ' ।	र्गेदुःकृःगाः २८।	গ ৬%
54	તિં [.] ખે. ધ્રિ. ક્ર. ન. ન શુત્રા અઅ ભે . તુ. ધ્રિ. સુ.	ŋ ৬ ५
य रुवा	र्रेट र्दे हे ग्रुव	りとし
বস্তুর্	र्वेव प्रमु	ባ _ግ ሜ
57]	5월:제	บฆฯ
. 9.		
٣٠ <u>٩</u> ٠٩٠	ଷ'ମ୍ବି' ସ ୍ଟିସ	りわし
' '	5 7	
รร'ลัง	ষ্ট্রীনিপারশাননা	पेय ह
শ্বীশ্বা	৺ <u>্</u> ষ্প্ ^ন ্ধ্	 ያጎч
শ্রুস্পা	යැ ම්යු·නු්,	J (2)
गरुग	र्हे श्वेष में ८ : या	<i>ያ</i> ሮጎ
ग्वेश	र्हें श्चेरा मृदि त्यां या	900
শ্ৰা	र्रे श्वेष'यर'या	900
निवा	व ८ : र्वेति : सू : र्या	900
শ্বীশ্বা	नैस'अर्ने' ^{;;;} ननुन।	300
८८:यू	र:बु्ट:क्रॅं:व	701
ग्रहेश:या	ઘઽ [∙] ૡૢઌ [∙] ૡૢઽ [੶] ૱ૹ૾ૼ [∙] ૱	701
শ্রুষ'মা	ં ત્યુદ :ર્જેં ગ	707
ସଜି'ସ୍ୱ	ह्युन्न क्रि. क्र ि. क्रि. क्र क्रि. क्र	707
ର୍ଜ.ଧା	<u> </u>	707
र्वाया	₹.ar.g.dl	703
শ্রুঝা	ग् रेट के के वा	703
ସଜ୍ୱି'ସ୍ୱ	ବିଷ୍ୟ ସମ୍ପର୍ଥି ପ୍ରମଧ୍ୟ	706
ন্ত্ৰ-দা	छ .च∃८.	706
<u> বুল'মা</u>	美 広· 芍	704

ন্ ন্ ন্ ন্ ন্ ন্ ন্ ন্ ন ন ন ন ন ন ন ন	মূ দ:ছ:এ এ ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড ড	२०५ २०७
૱ ૣૻૺૹૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ	শ' ঊ ঌ'ঐঁ'শেশ'না্ড ঌ 'ঊ'	70 <i>(</i>
ন্দ'শ্ শৃঙ্গীধ'শ শৃঙ্গীধ'শ শৃঙ্গীশ	ন্ডব্:ঊবি:শ্ৰ্ৰেশগ্ৰী'বেৰিম'বিশ ব্নী'নৰীম'ৰীব'ক্ষুম'ন্ত্ৰী'শ্ৰীক্ষিনা'দেনা'শ্ৰ' ন্ডব'ঊবি'ৰ্ব্বল্পী ন্ডব'ঊবি'শ্ৰ্ৰ'ঊ	ግ ፡
下で で で で で で で で で で で で で で	য়ৢৼ৾ৼয়৾৽য়ৄৼ৾৽য়য়ৢৼ৾৽য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	74% 74% 74% 74% 74% 74% 74% 74%
नाकिसःन। ५८:वें। नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्या नाक्ष्	য়ৢৢৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়	746 746 767 767 768 766 766

<u> ব</u> ক্তুব্	यदे:केंद्र:सम्बद:य	격낭회
५ ण्	च्यां.(बट:ड्रॅ.(ब)	१६२
૱ <u>ૻ</u> ૣૼૹૣ૽ૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૻ૽	য় ৾ ৽৾ঌৢ৾৽য়য়৽ঀ৽ড়ড়ৢ৾ঀ	<u> </u>
รร'ล๊ไ	নন'শ্ৰক্ষ্ট্ৰীন'নন্বন্'না	761
ন'বীম'না	ন'শ্ৰ'ক্ৰী'ন্নী'ৰ'ই'্নন	726
ন্ধুস্রান্	ন'অক'ই্'ঊন্'ৰ্শ্নন	ግ ଅ ና
শৃতিশ	ह्ये.क्	ግ ଅጎ
ग्विषा	<u> </u>	ጓ犁ጎ
শ্ৰুষা	बार्ने प्	940
ସମ୍ପି।	डे म्बॅं ८	110
ন্থ.বা	ĨŤ:æ̃:٩٢:	119
5 4	জ'ন্ ব ম' ক' ম্	111
<u> </u>	쥦·편]	111
ব ক্ট্ৰব্য	[त· ह्यु:[त]	ጓጎϠ
5 4]	ॹॖॱ२ेॱळण्≈।	ጓጎϠ
ব্ স্তৃ	श्चेन:क्षा-दे।	116
ন্তু'শ্'ন্তীশ	<u> </u> ఖ్చా క్రాజ్ చ	114
ন্তু শ্বীশ্ব	र ∶≝	114
ন্তু শ্ৰুষা	दण्णा 🕏	716
ন্তু'ন্ৰী	ববুষ:ক্ৰুণ:ব্ৰিলা	116
বর্ষ্ট:শূবা	দ্র'ন্বন্ব:ঘ্র	ጓጎዾ
বস্তু:বুল	ग्या प्राची	ጓጎዾ
ন্তু ন্ব্ৰা	र्देन:पुष्प	111
নৰ্ষ্ঠ'নজুব্	र्ने ८ व व	111
বস্তু: ব্ল্যু	ग्री चि.सु.र.।	31 <i>e</i>

XII

৺ৼৣৼ৻৸ ৾	ঢ় ৢড়৾৻ড়ড়৻ড়ড়৻ড়ড়৻ড়ৢ৾৻৻ঢ়ৢ৻৸৻	309
รรฺ่สั่	୍ର ପ୍ରୟଞ୍ଜିସିଂସ୍କ୍ୟଂକ୍ୟଂକ୍ୟୁ	709
జ ఞ్జ్ఞ్ష్.	ঢ়ৢ <i>ড়</i> ৽৾ঌৢ৵ৠ৾৽৸য়৾ঀৣ৽৸৽৾ৠ৻৸৽	300
		304
75'Ã 388'8'	ষ্ট্রীন'বাক্ষ'নন দ্রি'গানি'ন্নীক'ফ্রী	તુ _ુ તુ
ন্যন্ত্রীর প্রাথ ন্যন্ত্রীর প্রাথ	विश्वाचे खें ^{कु} के के के विश्वाचे के किया है।	^{તુ} ે ૧ જા ં ૧
รรุรั	757'9"	Ϡ ºጎ
गुरुग	न् नु न सु त्या क्षेत्र के कि न	30 <i>(</i>
শ্বীশা	ਤੇ 'ਕ', ਅੰਨ 'ਲੋੰ' ਨ।	30 <i>(</i>
শ্র্যা	म्८.क्.मूट.क.कू.च	প ্ৰগ্ৰ
ସମ୍ପା	म्८.क्.बूजि.ब.क्.कू.च	শ ্য০
~]	ૹૼ ઌ ૾૾ૢૻૢૻૢૻૢૢૢઌ૽ૼૹ૽ૼૺ૾	Ϡ ባባ
54	र्कें या कें	Ϡ 切り
गहेबःया	र्ने हो	ጓ ባባ
ন্ধ্র:ঘা	र्कूट: <u>कू</u> ब	Ϡ ͿϠ
ସଜି'ସା	य द ॱहॅंदें:कॅंच	Ϡ ͿϾ
ଜ୍ୟୁ	म्र्ट्रियं में क्टर्म, खेर व्याया क्षे ही	Ϡ ͿϤ
ఇక్షక్ష క్షాస్త్మ	টু ম'ক্টব'র্স্থ'নম'ঝন'ন'র্ <u>ভূ</u> ন'	Ϡ Ϳʹϯ
รรร์สัง	র ্ষ্ট্রীন্মক্ষণনন্	Ϡ ┚ና
নান্ত্রীর্মণনা	न्त्रीक्रश्चे'न्न'क्षेश्वःक्षेत्रंभना चुन्नोन्निक्ता	1/ ነ Ϡ ϠϠ
	ૐઃૹ૾ૻૢૢૢૢૣ૽૾ૡ૽૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱	ማ ৎ ፓ
ন্ধুঙ্গুণ লইল		<u> </u>
गरेग	यु:ळ<:मॅ< : व्या	
শ্বীশা	<u> </u>	Ϡ ೬Ϡ

শ্ৰা	तु:८ व :क्रॅं८:ब्रिया	Ϡ ९ Ϡ
تاها أ	बर:æं:र्:च:ऋंदे:यनन:क्वुवा	Ϡ ९
५८.च्	रच'र्देग'ब्रद'	Ϡ ९
ग्रेशःया	र्थे.य.बंट.।	Ϡ ୧ ၆
ন্ধুঅ'মা	ब्रें'सद'वद'।	Ϡ ୧၆
ସଜି'ସ୍ୱ	ત્ર્યાના	Ϡ ୯ ଅ
ନ୍ଥ'ଦା	बर-(तु: घट- (बट-)	Ϡ ୯ ଅ
৺ ৴্শ্ৰস্'শ্ৰু	ਖ਼੶ ऄ ज़ऄॕॱय़ॺॱॸऻ ॖ ॱय़ॱॺॖॖॺॱॺॸॕॱॾॕॎॸॱ।	Ϡ ९ ጎ
শ্ঠিশ	૾ઌ૽ૺ૾ૻૣૢૢૼઌૣૼઌૣૹૢૻૢૼૢૼૡૢ૿૱ૢ	Ϡ ९ ጎ
ग्रेश	गर्डट क्षु के दट अंदर य	Ϡ Ҷ쾨
শ্ৰা	ॸॖॱॿॖॱॸॺॊ॔ ॺॱॸ ॸॎ॓ढ़ऀॱॷॱॺऻ	<u> </u>
ସଜ୍ୱା	५र्मेव में ८ स्था	প্র
원"	न.चर.र्ह्नेट.विया	% ৬५
<u> 5</u> 4	[य:क्ष् _र -क्टॅं:च]	Ϡ ၆숙
ڟڂۜڗڰۣڂۥڽٳۥٛڰؙۄ	^৸ ॱळे <i>ज़ॱऄऀॱॱ</i> ৸ <i>য়</i> ॱॸृॸॱॸॱॾॕॸॱ।	3 ₂ 0
गुरुग	ल.क्र्यं य.क्रॅट.व्रिया	পুখ0
ग्रेशःया	न.चर.क्रॅर.ब्रिया	প্রথঙ
ন্ধ্র:ঘা	र्न् र ह्रेण हें र हिया	ሻ 犁 (
ସଜି'ସ୍ୱ	美 て· 芄 ·蔒a˙葢ぁ˙葢˙·ロ	ጓጎባ
ఇక్షక్ష	৸ড়৾ঌৢৠ৾ঀয়৸ড়ঀড়ৼ৾ৄ৾ঀ৾ঀ	Ϡ ዿ၆
	ষ্ট্রীন'নাবম'ননা	Ϡ 숙၆
गुरुग	पविश्वय. २. क्रॅंट. ब्रिश	ሻ ጎ ^ଅ
ग्रहेश	नर्र्	Ϡ ጎ <i>ሮ</i>
गसुस	कूथ.ई.कू.यो	<i>ግ</i>
1 5 1	` 1	

XIV

ସଜ୍ଞା	र्ज्जे'बे'८८:कु'र-कें'प	<i>3(3</i>
ন্ত্ৰ	ক্র.২.জু.ব [া]	<i>%(</i> 6
`1		
ఇ క్'క్షెక్'స్ట్రే	ౙౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢ	<i>ግ</i>
รร'สั่	ষ্ট্রীবি'নাক্রমণননা	<i>ግ</i>
ఇక్ క్షెక్షాస్త్ర	য় ৾৽ ড়৾৾৾৵ড়য়৾৽য়য়৾৽য়৾ৼ৾য়৾৾ঀ৾৾৾ঀ	५०७
รร'สั่ง	<u>ষ্ট্র</u> ীন'ন্সম'ননা	५०७
ন বিশ্বপ	ন্দ : অনি : নুৰ্বা ক'ন্থী।	614
শ্রস্পান	म न'ॐने'ङ्रें'ॐ'नन'ञ्जे'ग्रन्थ।	679
5 र वें।	न्गॅ्ब ⁻ र्ये र्ळं न्	679
শ্রীশ'না	र्चेत्रक्रदःर्वेषःया	630
শ্রুষ'মা	र्येव ळर वॅर या	679
र्गले'रा	પાયા <mark>વ</mark> ારા કે. વા	677
~건	म् ८. देवें व. वें ८. था	677
र्वाःया	त्यव रें कें य	677
न्त्रंया	५ वॅ(ब.च्रॅस.अ)	677
বৰ্কু বু'ঘা	इंग कॅरा	९
५ ण्या	बुंद से दें न कु ब्रिस कें न	९
ন্তু'না	तु:सद:क्रें:प	९
ন্তু'শ্ঠিশ	धम् द्या	९
चडुःमितेषःय।	तृ व ग र् या	¢ 13
বস্তু-দাস্ত্রম-ঘা	वृ'व्या'हें 'क्रेंरा	¢ 13
न्डुं नंबे न	ग्रन्थं म्या	969
नर्हें स्'र्न	गत्रदःर्वेदःया	989
न्डु-ड्रूग-या	केंग कं कें न	676
न्दुःन् नुवःया	ই.ক্	676

বর্ক্ট'বক্কুব্'ঘা	र्वेज् वां क्	676
বস্তু:বৃদ্যু:বা	वैव वा	¢ 34
वै:मु:च	म्ट.क्षे.ट्रोंब.कुब.लबत.चा	¢ 34
৺নু	শ'ক্টব'ঐ'শ্বব'নৰী'শ্ৰীন'।	৫
รราสัง	स _{्ब} र्भञ्चे र नम् र भ	५ १७
ব্ৰিপ্ৰ'ন্	अ ् य नबिते 'नबें के 'श्रे 'हम	୯
ন্ধ্ৰ'ন	अन्तः नबैति श्रेषित्र । स्थिति	୯
ಎ ೭್'ಎ೭'ಭ'ಹ	৺ ৽ড়ৢঽ৽য়ৣ৻৸য়৻য়ৼৣ৻৸৻ৼৣ৻৴৻৾	৫ প্র ৬
		৫ %৬
_	ଞ୍ଜିସିଂମ୍ବ୍ୟଂନ୍ତ୍ର ଅଧିକ୍ରାମ୍ଫ୍ରିମ୍ଫ୍ରିମ୍	¢
শ্ৰীশ্ৰণ	अ <i>न्</i> 'त्यत्त्र'न्ज्ञ अ	(1)
<i>ষব্</i> শ্বেশ্	য় ৾৽ য়৾৽য়য়৸য়য়৸ড়ৢ৾৾৾ঢ়৾৽য়ৄ৾ঢ়৾৾৽	९९७
รรารัง	ষ্ট্রীন'নাকম'ননা	९९७
শ্বীশ্বা	ଶିକ୍ଷ୍ୟ ଶିକ୍ 'ଶ୍ରି' ହୁଁ ' ଅଧି	७७७
गुरुग	श.सु.बरा	662
ग्रेश	षर दिः तस्व	662
শ্রা	অ'র্ব্ নার্থ না	664
निवा	বৰ ল্বা	999
죋	ज्ञ देंग	७५०
<u>5</u> m	<u>चुर : देते: क्र</u> ं स्	৬ ५७
न्त्र्	बेबब देत्।	946
ব্ৰু ব্	प्रची.मी	७ ५५
য়ৼ <u>৾</u> ৻য়ৼ৻৸৾৻য়ৢ৽	য় ৾৽ য়৾৽য়য়৽য়য়ৢ৽ঽ৸৻ঀ৾৾৽	९५५
รรฯสัง	ষ্ট্রী'নন্ <u>ন</u> 'ব্রুম্	९५५

য় <u>৾</u> ৴৾৻য়ৢ৾৾ঀৢয়৾৻য়ৢয়৾য়ড়য়৻য়য়য়ড়য়৻য়ৢ৾য়		९७७
รรฯสัง	ਕ ਵਾਕ੍ਰਕਾਕ੍ਰੋਵਾਬ੍ਰਿਕਾ	५ ७ ७
শ্বীশ্বা	<i>ই</i> শুটি প্ৰাম্প কৰি প্ৰ	623
ন্ধুস্র'ন	ਵੇਖ਼'ਲੇਤ੍'ਗ਼ੈ'੩਼ੇ'ਲੋਂ'੨੨'ਖ਼ੇ'ਗ਼੨ਖ਼।	6216
শৃত্তীশ	५र्येद्र:ळॅट:ब्रिंथ:बा	626
ग्रेषा	য়ৄঀৢয় [৻] য় [৻] ৼৢঢ়ঀয়	626
ସଣ୍ଡା	ल.ची	९५०
쥗	क्षः क्षेत्र अनु न	९५०
57	হা'ৰু	९५०
न रुवा	শ'ন্থা	९५०
จฐ์รา	প্রশ্ব	९५०
न्या	বৃশ:র্শুনা	९५०
ন্ত্ৰা	गम्भूय	९५०
বস্তু:লৃত্তিল	व देग	९५०
বস্তু:শ্রীশা	बॅंग केंत्र	649
বস্তু:লাশ্তমা	बॅम्कुर्	649
ন্তু ন্ৰী	ব্শ্ৰ'বৰ্ণ	¢ ጎን
বর্হ-জন	र्हें ५ . य है र . य	¢ ጎን
বস্তু:বুর্দ	क्रॅंट्र-यान्यर-च	640
বস্তু:বৰ্	অ্ষম: নুম	613
বর্ত্ত বর্ত্ত	র্ন্) বিশ্ব	613
11		
ఇ క్ క్షక్త్రాస్త్ర్మ్	^{ॳॱक़ॖॆ} ज़ॱऄॕॱॳॳॱॸॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॱॳज़ॱॾॕॱ॔ॱॱऻ	¢ ጎ Ϡ
รรฺ์สั่ง	- ষ্ট্রীনি'বার্বশ'ননা	¢ ጎϠ
ন'বীশ্ব'না	নুন্ত'শ [্] ৰ'গ্ৰী'নশ্ৰীৰ'শ্বী	९५९

XVII

ন্ধু, শ্ব	<i>ઌૢ૾ૡૢૺૡ૱</i> ૽૽ૢ૾ૢ૽૾૽ૣૻૼઽૣૹ૾ૣૺૡ૱	९५य
শ ্ৰ ্মণু নন'ৰ	য়৽৾৾ঌ৾৾৾৾ঀ৺য়ৼয়ৢ৾ঀৢ৽৸ড়ৼৼৼ৾৾ঀ৾৾৾ঀ য়ৢ৾ঽ৽ঀঀ৾৾৾ঀ৽	ፍ <i>ጎ የ</i>
ন্ত্ৰীশ্বা	ञ्चतुःसन्। चै। अनुःसन्। चै।	640
ڟڔٚڲڂۥڽ؞ۣۿ	য়৽৾৾য়ৢ৾ঀয়য়৽য়য়ৢ৽ঀঢ়ৢয়ৼঢ়ৢ৾য়৸৽য়৽য়ৢঢ় <i>ৢ</i>	676
<i>শই</i> 'শ্ব <u>্</u> র	য়৽ড়৾৾৾৾৾৾৾৾৵ড়৾ৼ৸য়৾য়ৢ৾৾৾ৼ৽য়ৄ৾ৼ৽য়ৄ৾ৼ৽৻	૫૦૫
รร'สั่ง	ষ্ট্রীবিণন্স্পণনন্	૫૦૫
শ্বীশ্বশ্	ౙౢ ౼ ఄౙౢ౼ఄౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢౢ	५०५
ন্ধুঙ্গ'শ	ૹૢૼ ౼ ૢૹૢૼૻ૱ૢ૽ૺૹૄ૾ૺ૾ૹ૿	५७५
শ্বর্শপ্পন্ শ্রন্থ নন শ্ব	য়৾৽ড়৾ড়৾ড়য়৾৽৸য়৽ৠৢ৽৸য়ৢয়৽য়ৢ৽ ৽য়৽ড়ৢয়৽৽ৣ৽৸৸৽ৠৢ৸৽য়ৢ৸৽৸ঀ ৽য়৽ড়ৢয়৽৽ৣ৽৸য়৽য়ৢ৸৽য়ৢ৾য়৽৸ঀঢ়৽৸	ત ી ગ તીગ
ন্ত্ৰীশ্ৰণ	য়ৣ'বরুয়'য়ৢৢ৾'বর্শ র'য়ৢ৾'।বন	५ %
ন্ধুস্র'ন	श्चु'यतुम'झ'बेदे'नेसॅन'कुन।	૫૧૬
କ ଣି'କୀ	સું'વતુમ'નુૈ' ^{ફે} ંૹ૿	૧ ૯
<i>ঌঽ</i> ৾ৠৢৢৢৢ৾৾৾ৢৠ	য়৾৽ড়৾৾ড়৾৽য়৾৽৸য়৽৸ঀ৾৽ঢ়য়য়৽য়ৄ৾ঀ৾৽	461
	শ্বীর-শ্বশ্বন্	461
ন্বিশ্ব-দা	<u> </u>	૫૫૭
1 / 1		
ۼڂۜ۬ڗ <u>ۼ</u> ڔۥٛۺٙۥۣٙ	য়৽ ৾ঌ ৾৾৾ঀ৺য়ৼ৻ঀৢ৾৾৾৾৾৻৺ৼ৾ৼৄ৾৾ৼ৾৾৾	५५६
รร'สั่	ষ্ট্রীন'নাস্ম'ননা	५५९

XVIII

ন্ত্ৰীশ্বা	୷ <u>ୢ</u> ୷୷୴୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷୷	૫ ૫હ
শ্বস্থ সংশ	सुन'अर्नेवे'क्रे'ळे	५७७
<i>ষ</i> র্ন্,ৠ৴৻৸ৢ৾ [৻] ৠ৾	য়৽৾৾য়ৢ৾৾৾ঀ৺য়৽৴৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸	૫હ૫
รร ^ะ รัง	<u>ব্ৰৰ'ইশষ্ট্ৰী</u> ই' ন্ ৰশ্ৰৰ।	૫હ૫
শ্বীশ্বা	ন্নন'ইম'ম্'কুম'মম'নাম ন'ম্না'ইন'।	4/3
<i>ব</i> াধ্যস্থা	<u>বনব'বীঝ'ঐ'ঝঝঝ'বৃধীর'ঝুব'ৠব'</u>	५७७
କ ଣ୍ଡ୍'ବ୍ୟ	ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ ৢ	601
শ্ৰ'ৰ	<u>বনন ইম শেষ্ট্র মানমান দ্রিই নেরী শৌনমা</u>	600
<u>রুশ'শা</u>	ব্নবংশীরাধ্যমণ্ডার্ড কাইনি।	৬ বৃ৬
J	C	
৺ ঽ	য়৽ ৾ঌ ৢ৽য়৾৽৸য়৽৸৸৻৸য়	৬ প্রথ
55.51	श्चेदि ग्वस्य प्रम्	৬ পুখ
ग्रेशरा	चगादः अंगि गंगे दर्गे व न्हें।	७० व
गर्जुठा'या	चगाद'स'र्थेम'में 'स्रे'र्के	७७७
<i>শ্</i> র্ব'শ্লুর্	ૹ૾૱ [ૢ] ૹૻૡૹૹ૾ૄ૽ૹ૿ૻ૽ૼૺૹૻૣૻૠ૽૽ૣ૽૱ઌ૱ૡ૱ૡ૽૽ૺ	
<u>नश्चन्यब</u> िवेंखुः	ন'্দ্ৰনশ'নন'সভস'ন্দ্ৰীশা	৫ ৫ খ
ऑ _, कुशप्त <u>चे</u> त्रप्धन	৺য়৾৽ড়৽য়ৢ৽য়ৢ৾য়৾ঀ৾৽ৢয়৽য়৽ঢ়য়৸ঀ৾৽ড়৾ৼয়ৢড়৸ৼয়য়৸	७५५

विवाया. इ.जावायावार्यजा

$$\begin{split} & \underbrace{\exists a. \underline{\vartheta}. \underline{w}. \underline{\varphi}}_{a. \underline{w}} \underbrace{\exists a. \underline{\varphi}. \underline{w}. \underline{\varphi}. \underline{w}. \underline{\varphi}}_{a. \underline{w}. \underline{w}. \underline{\varphi}} \underbrace{\exists a. \underline{\varphi}. \underline{w}. \underline{\varphi}. \underline{\varphi}.$$

યાયાના ત્રું તે. ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું મું ત્રા મું ત્રા મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રા મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રાં મું ત્રા મું મું ત્રા મું ત્રા મું ત્રા મું ત્રા મું ત્રા મું ત્રા મું ત્રા

ત્રાનાલું તરે ત્રાસાંત્રાના ક્રિયાના સ્ત્રાના વ્યાપ્તાના સ્ત્રાના સ્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાન સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાન સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ્ત્રાના સ

 $\hat{x}_{0} = \frac{1}{2} \times \frac{1$

त्रवशक्ष्यं या स्वाप्त स्वाप्

भ्रात्वयाः क्रॅर्वा या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः क्र्याः विषयः क्र्याः विषयः क्र्याः विषयः क्र्याः विषयः विषय

વૃષાદ્વાના મુખ્યાને ત્યારા મુખ્યાને ત્યારા મુખ્યાને સ્ટ્રિયાના વૃષ્યા મુખ્યાને સ્ટ્રિયાના મુખ્યાન

कु.खं.कं.लुय।

कु.खं.कं.कं.लुय।

कु.खं.कं.लुय।

कु.लुय।

 $\frac{1}{2} \frac{1}{2} \frac{1$

पर्नर-दश्चनायन्त्रणः श्रुन्यः श्रुन्यः स्ट्रिन्यः स्टर्यः स्ट्रिन्यः स्टर्यः स्ट्रिन्यः स्टर्यः स्टर्यः

ही. श्रे. प्राचित्त प्राचित प

प्राणाः तर्षे त्यक्षुत्र न्यस्त्र स्यात्त्र प्राण्यस्य स्यात्त्र स्यात्त्र प्राण्यस्य स्यात्त्र स्यात्र स्यात्त्र स्यात्य स्यात्य स्यात्त्र स्यात्य स

श्ची भुं विचयः त्वा त्वरः श्चा या श्चे वा या विचरः वा विचरः वा विचरः वा विचरः श्चे वा या वा वा विचरः श्चे वा या वा वा विचरः श्चे वा या वा वा विचरः विचरः वा विचरः वा विचरः विचरः वा विचरः वा विचरः विचरः

लार्नेते प्रवेश्वाह्म प्रति क्षेत्र प्रवेश क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रवेश क्षेत्र क

સ્ત્રાયા ત્રાયા કે ત્રા

四.美

বশ্ৰ-প্ৰ

यर्-श्रेर-ज्रुक्षक्षक्ष्यक्ष्यक्ष

चयाने रायने वार्ष्ण प्राप्त मान कर्षण इस्रम् व्याप्त वार्षण स्वर्षण वार्षण स्वर्षण वार्षण स्वर्षण वार्षण स्वर्षण स्वर्णण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्णण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्षण स्वर्णण स्वर्षण स्वर्णण स्वर

ત્વ્યાલે. મુંત્રાં તા કે ટે. શ્રેટ. વાળ યા ટે શે યા સંયા શેયા કે યા ત્વે યા છે યા ત્વે યા ત્વ

क्व. ट्रे. ट्रेट. ट्रंब. च्रंट. क्री. क्व. प्रच्या त्रं क्वंब. व्यं वाया व्यः सं क्षे वाया प्रच्यः प्रच्यः प्र यातुः त्यान द्वः ग्रीः नरः द्वः। वाञ्चा वाना ग्री देवः श्वेष्यः या ग्रीवृष्यः या <u> २ वायः स्वःस्यः च ८ वर्षः ग्रीः स्व</u>्रावाः स्वावः व्यवः व तक्षान्त्रेयायायार्येदाणुः र्यो क्षुयासुयर्येदायासुरत्ये त्यो स्वायायदे र्यो से र्डटा कु:र्वेट्-ट्रिव्मबुख:याच्चट:बेटा बान्वबायुय:युट:खट:र्वे:याक्कुब: बादतः चतः र्येः र्येदः व्याविदः विवाः वेदः वादः क्षुदः र्वेः क्षुवः त्र चीः क्षुः दः विद्याः र्थे भेदायते कुष्यक्षदायर (वृष्ठ्व स्त्रम्य । नेन न्त्र कुष्येन निन्नि नि প্রথানার ব্রী ঐ সনা নিনা শৈ ঐব্যা বর্ষী ঐসং প্রথা ঐশ্বর্ষী বা সর্সী स'नसअ'र्झें'निन्'क्स'प्येन्।'सेन्'सर्अ'स्तुस'र्खेन्स। वेषापहें'ग्नेग्षा ८८. धीच था. प्राच्या विष्यात् विष्यात् विष्यात् क्षेत्र स्त्रे विष्यात् क्षेत्र स्त्रे विष्यात् क्षेत्र स्त्रे विष्यात् क्षेत्र स्त्रे विष्यात् विषया देवे के ना र्याया आरी रावर्षे ना हवा विवार्षे दासूर वा से हार वा सामिता તાલે.વે.વેંદિ.વંચા શુ.થવ.વંશ્વાશેંદાજવે.વેંગ્યન.નુંતુ.શ્રેંપ.શ્ર્ંતાવેંચા भ्रम्य | देर स्वर में द्रा की केंस्य दर देना मृत्य मित्र में केंस्य स्वर्भ में स्वर्भ यदे केंग्र या दार्क त्या राष्ट्र वा वा प्रता हिंग्र या प्रति वा वा प्रति वा वा प्रति वा वा प्रति वा वा वा वा व चर्मातः सन्मान्दरः सुन्यान्यः रे. तदेः सूरः सः नवदः चरा विदः रदः तः सुन्यः रे.वाबर.च.रर.वी.वर्शेर.वयमारेरी परी.ज.वमयार्झे.वार्हेर.की.जर. <u>८ चित्राम् कृषाः श्रुरः सुराज्यायम् ८ राज्याः यात्रे वाष्याञ्चात्राः अत्याः स्र</u> $ag{1}$ મું કુરાવદેવ કુંચાવચાવેલ તર્માન કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા ત્યાં તાલું તે કુંવા કું કુંવા કું કુંવા કું કુંવા કું કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કું કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા કુંવા क्षरायाने स्वाचा स्रुवा चा चवा व् चा प्याधिवा

क्षात्माक्ष्यं स्वात् व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात्य व्यात् व्यात

বর্ষরন্দ্র্রী মারী বিশ্বরাধ্য বর্ষ বার্ষ্ণ ব্রামান ক্রিয়ার বর্ষ বার্ষ্ণ বর্ম বর্ষ বার্ষ্ণ বর্ষ বার্ধ্য বর্ষ বার্ষ্ণ বর্ষণ বর্ষ বার্ষ্ণ বর্ষ বার্ণ বর্ষ বার্ষ্ণ বর্ষ বার্ম বার্

शुं त्वा वायः विवाधित्यः यात्रे शुं क्षेत्रः यात्रः विवाधितः विवा

 $\frac{1}{2} \cdot \mathbf{A} \cdot \mathbf{$

च्चायाः स्ट्चाः त्याः स्ट्याः स्ट्या

चिराक्षेत्रायत्वाचित्रां संत्रां त्वा श्री व्याचित्राची स्वा चित्राची स्व चित्राची स्वा चित्राची स्वा चित्राची स्वा चित्राची स्वा चित्राची

ત્રાં ક્રિયાના માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા માત્રા કર્મા કર્મા માત્રા કરમા માત્રા કર્મા માત

सालार्च्रेचाट्ट्यात्य क्षेचाल्ट्री सालार्च्रेचाट्ट्याद्य स्वार्थ्य स्वर्थ्य स्वार्थ्य स्वर्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वर्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्य स्व

$$\begin{split} & = \sum_{i=1}^{N} a_i \cdot \sum_{$$

પ્રાસ્ત્રિયા તેને ત્રામે માર્ગ માર્ગ માર્ચ મા

घनमालयाम्बद्धाः हुन्। चनमालयाम्बद्धाः हुन्। चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः हुन्। चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्याः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्याः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्याः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्याः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्याः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्याः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्धाः चनमालयाम्बद्य

મું તવિત્યાનું ક્રાંત ક્રી ત્રેત્ર તક્રી માત્રા સ્ટ્રિયાના મું ત્રા ક્રિયાના મું અદ્દેત ક્રયાના મું ત્રાના ક્રી ત્રિયાના મું સ્ટ્રિયાના મુ

કોશ્વાન્યસ્થાના કેશા ફેશા ફોશાના નિર્દેશ તાલું માં ત્યા કોશાના કોશ

सीच्यात्रात्त्रम् सीच्या क्षेत्रम् क्षित्रम् क्षेत्रम् कष्टिम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् क्षेत्रम् कष्टिम् कष्टिम

पद्मान्त्रः भू क्षित्रः भू विद्या क्षित्रः भू क्ष्यः प्रम् विष्यः भू क्ष्यः प्रम् विष्यः भू विष्यः प्रम् विष्यः भू विष्यः प्रम् विषयः विषय

स्त्राचे स्वायत्र व्यव्यात्र व्यव्या व्यव्यात्र व्यव्य व्यव्यात्र व्यव्य व्यव्यात्र व्यव्य व्यव्यात्र व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्य व्यव्यव्यव्य व्यव्यव्यव्यव्य

चल्वे त्रांत्री

स्वित्रां स्वित्रा स्वित्रा स्वित्रा स्वित्रा स्वित्रा स्वित्रा स्वित्रा स्वित्र स्वत्य स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वि

યા મું મું માલે તે વ્યામ તે તે વ્યામ તે તે ત્રામ તે ત્રામ ત્રામ

ત્રી ભૂતા. જ્વાસૂરા. જૂરા. તા વ્રાયા ક્રિયા ક્રિ

६। बाचुः नृद्यः स्वायाः स्वयः स्वय

યત્ર જ્વાન ત્રાહ્મ ત્રાહમ ત્રા

- ર્જી વશ્ચાન્ય છે. વાન્ય મુંચાના ક્ષેત્રાના ત્રિયાના સ્ત્રાન્ય મુંચાના સ્ત્રાન્ય મુંચાના સ્ત્રાન્ય સ્ત્રાન્ય મુંચાના સ્ત્રાન્ય મુંચાના સ્ત્રાન્ય સ્ત્રાન્ય
- ત્રાં માંચારાત્રા ભૂતાએર સંવામાર્યો મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં ત્રાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાન સંવામાં મુખ્યાને સંવામા મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યાને સંવામાં મુખ્યા
- त्र इत्र चुर्त्य कुष्ट क्षेत्र व्याप्य स्था वित्र क्षेत्र कुष्ट क्षेत्र कुष्ट क्षेत्र क्षेत्र

अ:८म्ब्रायाम्ब्र्यः यहू व.चे ब.ता

१०। स्.क्ष्य.ग्री.चवयःक्ष्य.चन्ननःभ्रत्यः स्ट.मी.क्ष्र्यः चायः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्र विच्यः ग्रीनः श्रीन् स्त्रः स्त्र स्त्रः स्त

> ब्रेन्ड्न्एन् नाण्ये अर्चे दार्यामिन नाम्यास्त । ध्यास्त्रे नाम्यास्त्रे त्यास्त्रे त्यास्त्रे नाम्यास्त्रे नाम्यास्त्रे

त्व'ग्रट'र्रुथ'कुट'श्वे'च'श्चट'त्र्र्यंग्रथ'त्ट्र्य । त्यट'र्ळव'रुच'त्र्ट्र्यंश्चे'चेश्च्यंश्चेंत्र'त्व । त्य'त्रुट'यव'र्यते'गवव्य'खु'चर्गेत्'श्च्य'ते। । हट'र्श्चेट'र्छव'र्यते'त्र्ट्ड्य'ग्रुय'श्चिय'चर'श्चेत्। ।

विषाश्चीर्या १००५ ह्या १० केंबा १० तेवा ईवा धर्मा

Acknowledgements

Because I have devoted nine years to completing this historical research project, it has involved the cooperation of many people, on both an individual and public level. It is almost impossible to record here the names of each and every person who offered help in the course of writing this book. Nevertheless, I would like to note that, irrespective of whether their names appear here or not, everyone whose contributions are reflected in this work should rightly deserve to feel quiet satisfaction.

Throughout the writing of this book, His Holiness the Dalai Lama, the lifeline of all the people of the Snowland of Tibet, was unrestrained in meeting the expenses. His dispensing of substantial funds for this project, without any restraint, was not for my personal enjoyment but was to facilitate the provision of a gift of a new historical work to the entire people of the Snowland of Tibet. In view of this, we are beholden to express gratitude to him a hundred times.

The names of the paid assistants in this project have already been introduced in the preface and repeating their names in this section has therefore, been dispensed with.

Tibetan Medicine teacher Mr. Khyenrab, Tibetan Medicine doctor Mr. Choelo Thar and Sahra history teacher Mr. Sonam Gyaltsen proofread the draft of the history of Trika and Chentsa. Sheja Kuntue Editorial Centre's officials Mr. Yangkho Gyal, Mr. Gyarig Thar and Poet Zungchug Kyil proofread the draft history of Mangra.

Ven. Mogri Tenpa the Director for the Southern Messenger's Pen Association and other members at such as Shonngwo Tenzin Thogmey, Achog Zoepa, Trika Khedup, Kelsang Dorje and Serta Tsultrim Tenzin helped to proof-

read draft texts. For over a month, Ven. Kelsang Tenpa and Serta Lobsang Tenzin corrected, on computer, the drafts that had already been proofread.

Ven. Hor Zhide Gyatso was diligent in providing help in proofreading. Geshe Shitsang Trinley, Geshe Tsekhog Konchog Gyamtso, Rebtsawa Tsondue Gyatso, Welbentsang Konchog Shatri, Welbentsang Konchog Kyoglog and Sangkhog Geshe Jigme also helped to proofread a considerable number of draft texts.

Norling research head Mr. Dorje Wangchuk and Norling traditional arts researchers Mr. Lhachab Jinpa proofread the histories of the principalities of the Tso-ngon area. Sherig Joint Secretary Mr. Tashi Dhondup proofread the histories of the principalities in the Gyalrong and other areas. Additional Secretary Mr. Tashi Gyatso of the Tibetan Government-in-Exile's department without portfolio and Norling Higher Studies Institute's teacher-cumresearcher Mr. A-Jamyang Tsultrim proofread the first volume of this work. Secretary at the Private Office of His Holiness the Dalai Lama, Mr. Ngawa Tsegyam, carried out an overall corrective reading of the histories of the monasteries. Sanskrit-fluent Mr. Jholeb Choephel and researcher Mr. Rahula helped to proofread specific histories of the monasteries. Editor of the Biography of His Holiness the Dalai Lama project at Norling Mr. Tenzin Jamyang, Norling researcher Mr. Choezong Tenpa, Chitsog Melong editor Mr Ajig, freelance writer Gangkar Gyalsey, Zoege Kathab Tsering and Tibetan Parliament-in-Exile member Mr. Serta Tsultrim Woeser all helped with proof-reading. To all of them, I owe my heartfelt gratitude.

As instructed, Ku-ngo Jamten-la at the Private Office of His Holiness the Dalai Lama carried out substantive proofreading of the entire history text for a full year and made important suggestions. Ku-ngo Jam-tson-la helped to seek out some essential research documents and former Secretary at the Private Office of His Holiness the Dalai Lama Mr. Lobsang Jinpa along with Secretary Dresang-la leant their full assistance from time to time. To all of them I extend special thanks.

Mr. Lobsang Shastri and other staff at the Tibetan section of the Library of Tibetan Works and Archives in Dharamsala sought out and loaned numerous historical research materials over many years. The library of the Menri Bon Monastery, the Kirti Jhepa Dratsang Library, the Sahra Tibetan College Library, the Namgyal Monastery Library and the library of the Buddhist Dialectics School loaned a significant number of research materials. I express my thanks to all of them and to Ms Susan Manheit, head of the Tibetan Section at the Library of Congress, USA.

I owe special thanks to the Latse Contemporary Tibetan Cultural Library in New York. The library was not merely a place where I sought materials for my historical work, but was a vital influence, providing a fertile forum for lunchtime discussions with fellow researchers and visiting scholars during the course of my research. I spent many years there like a member of the Latse 'family' and it was of great benefit to my work. I, therefore, take this opportunity to thank its Director, Mr. Pema Bhum, as well as Kristina Dy-Liacco and Dekyi-la. They generously loaned me texts, provided photocopies without charge, liberally served me tea and coffee and supplied all kinds of playthings for my children so that I would not be disturbed. Because of their strong support for my work, I offer my heartfelt thanks to them all.

At various times, I was loaned numerous books and reference materials by Jonang monastery at Shimla, and Shingsa Labrang; the Speaker of the Tibetan-Parliament-in-Exile, Mr. Penpa Tsering; Department of Security Secretary at the Tibetan Government in Exile, Mr. Dongchung Ngodup; Secretary at the Private Office of His Holiness the Dalai Lama, Mr. Ngawa Tsegyam; His Holiness the Dalai Lama's Representative in Taipei, Mr. Dawa Tsering; Joint-Secretary at the Department of Security's Research and Analysis Centre, Mr. Phagpa Tsering; Joint-Secretary of the Tibetan Government in Exile's department without portfolio, Mr. Bhuchung; Achog Jinpa; Rebdo Sengge; teacher at the Ganden Monastery in Mongolia, Mr. Ngawa Tsondue; Kirti Jhepa Dratsang teacher, Soruma Dhargay; Cholsum history writer Golog Dhamchoe Pelsang and Khenpo Tenkyong; Ariwa Dorje Tseten; Sogtsang Negen and Sogtsang Legshey. Mr. Ladrang Kelsang was

generous in lending me numerous priceless, historical books. Drugbe-la brought many books out of Tibet along with a substantial number of illustrations. To all of these people who provided me with abundant historical reference materials in their private or official capacities, I offer wholehearted thanks.

Considerable assistance was provided by many friends and scholars living in Tibet and I undoubtedly owe them gratitude. Regrettably, due to the overly rigid position of the Chinese government at present I will, for the time being, refrain from mentioning their names.

At different stages during the course of this work, I was offered assistance of various kinds by the following: for nearly two months I stayed at Gomang Library, who went out of its way to arrange services for me like a power generator, whilst being exceptionally generous in providing photocopying facilities and printing my draft manuscript. The Librarian, Geshe Konchog Gyatso, supplied me with meals free of charge. The Southern Messenger newspaper put at my disposal two computers during those two months, while the Loseling Principal, Ven. Ngawang Gyatso, was ever willing to provide me with a computer. Ven. Lobsang Monlam of Sera Mey was exceptionally cooperative, especially in designing the book cover. To all of them I express my gratitude.

Ku-ngo Lobsang Jinpa sanctioned the expenses for my trip to the Library of Congress in Washington D.C. Mr. Tseten Wangchuk sent me the invitation. Mr. Bhongyal provided me with accommodation and free meals for more than two months of my stay there. Mr. Palden Gyal, Mr. Dorje Tseten, the Lama Kyab couple, Chagmo Tso, Tsering Dhondup and Pema Dorje Tsang provided me with all kinds of assistance. During the months in New Jersey, Ms. Lisa Hochman and Pema Choedon were especially generous in offering me free accommodation and meals, introducing me to Dr. Richard Guard's a wondrous collection of books acquired over a period of more than 50 years at the Chunyang Monastery. To all of them I offer my utmost appreciation.

XLVI

My fate-destined friends Mr. Bazar Trinley and the Norling Centre for the Preservation of Tibetan Culture's administrative head Mr. Dolma Kyab were extraordinary in providing me food, clothing and accommodation over many months. In particular, Dolma Kyab worked hard on this project, right from its beginning in correcting computer malfunctions. I take this opportunity to offer my thanks to them.

For all these years, granny Nyima Choedon-la did the laundry, looked after my children, and cooked without a murmur of complaint. In particular, my wife Dorje Lhamo ignored hardship to feed our large family; she single-handedly took care of my three children's educational needs, their health, and everything else connected with our family responsibilities. Her support for this work is therefore unrivalled. I offer heartfelt thanks to them both.

The genesis of The Greater History of Amdo

On 11 November 1999, I had the good fortune to be granted an audience with His Holiness the Dalai Lama. I sought the private audience as I wanted to brief His Holiness about the services I had been able to render to our society – in my limited capacity - since coming into exile as a refugee in 1992. Besides, I had been so frustrated after being repeatedly annoyed by contempt for rectitude shown by some in our society that I had decided to seek an opportunity to study abroad.

After I presented my thoughts and ideas, His Holiness told me: "In our society today there are many people studying English. Compared to the situation in the past, the number of those graduating with a good standard of knowledge in English is not insignificant. Nevertheless, even if we go to Western countries and learn English, it is difficult for us to gain opportunities such as professorships and Ph.Ds. On the other hand, you are already very good at Tibetan. So, wouldn't Tibetan society be better served if you could work in an area related to Tibetan culture?"

I replied that this was indeed, true. However, I also recounted that when in a meeting I had sought on an earlier occasion with Professor Samdhong Rinpoche I had expressed a desire to take leave from my membership of the Standing Committee of the Tibetan Parliament-in-Exile in order that I may pursue research in Tibetan culture, his reply had been: "It is good that this is what you are interested in. But, while you research Tibetan culture, who will take care of your livelihood?" I spoke to His Holiness about the veracity of these concerns.

XLVIII

His Holiness then asked me about the depth of my interest in Tibetan history. I replied that while I had consulted and read quite a number of documents on the early histories of Tibet, I had no special interest as such.

His Holiness then asked me, "Well, how about the possibility of you researching the history of Amdo?" To this, I replied: "I had the occasion to entertain such a thought back in 1994 when I was teaching Tibetan culture at the Tibetan Medical and Astrological Institute. However, writing the history of Amdo is not as straightforward as writing what is popularly viewed today as the history of Tibet, which involves writing a fair amount of narrative about the status of the many principal historical characters from the time of Nyatri Tsenpo to Darma Wudum Tsen, and about the periods during the Sakya, Phagdru, Rinpung, and Ganden Phodrang governments of Tibet. One needs to be fluent in Chinese, Tibetan and English and have a profound knowledge of many regions and territories. Without these, it is extremely difficult to write a history of Amdo."

His Holiness replied, "It is not difficult these days to find people with a good knowledge of English and Chinese. You don't need to worry about funding. It is extremely important that we have a history of Amdo. So, think this over for the next three days and bring your response to this office."

I felt extremely happy at being an object of such personal attention and hope for His Holiness. Nevertheless, it put me in a state of indecision as I was already scheduled to leave for the USA on the 18th of the month. I conferred with a number of experienced elders. They told me that it was a matter of good merit for me that His Holiness was placing his hopes in me rather than assigning the work to one of the many associations that are continuously being set up these days in the name of religion or culture. There was, therefore, no reason to hesitate, 'You must commit yourself to it forthwith,' they advised. Thus, in view of their unequivocal and unanimous advice, I postponed my plan to go to the USA and resolved to fully commit myself to the task. I informed the Office of His Holiness the Dalai Lama of my decision accordingly.

In another private audience I sought afterwards, I received the following instructions: "Your work on this history research project should be independent of the Tibetan Government-in-Exile; it should also be independent of any particular group or religious sect. Your job is to put into writing the outcome of research into historical records from the perspective of a historian. The language you employ should be Tibetan. The main subject should, of course, be Amdo in terms of its origin, development and status. In terms of research methodology, the best course would be to adopt the approach of Western research scholars." Being granted instructions to approach my research with such freedom and openness, I felt great happiness and willingness to accomplish the work.

I initially set out a draft three-year schedule for carrying out the project. I sought out my Machu friends Jamyang and Tseten Gyal as assistants and began my work. But because of my lack of familiarity with the subject of history, I found it difficult to define a detailed outline within which to build a framework for the historical work. Hence, for about eight months, I was unable to accomplish anything substantive. My two assistants also had no special qualifications in historical studies; as a result, it was not easy to allocate work between them, yet they acquired experience as they worked and set out to build a framework for the project. Jamyang noted down, sought out and collected periodicals and related materials. Tseten Gyal began translating into Tibetan a section of the relevant documents. With the work thus divided, the first foundations were laid.

In the meantime, for several reasons, I also had to hire Kunthar Dhondup as an assistant. For about ten months he translated into Tibetan some Chinese documentary materials.

Later on, when the need arose, I also hired Lhachab Jinpa. For a little over a year, he took notes about the mountains, rivers and geographical details of Amdo. After that I hired Sangay Dhondup to translate a large number of documents into Tibetan. I engaged Akhor Soepa to draw up an index of the histories of the monasteries in Golog and Ngawa and Zoege Kathab Tsering

to translate into Tibetan numerous short documentary items related to the history of Gyalrong.

At about the end of 2003, there was a great change in this project. The initial plan had been to compile the entire history of Amdo within three years in two, or possibly, three volumes. A new plan was now formulated to compile it into about six volumes and this was duly reported. The new framework seemed to be a natural development which had evolved from years of experience of being engaged in actual historical research.

Consequently, I held a discussion with the writer Lutsang Lobsang Yeshe to whom I assigned, without pay, the work of recording brief histories and biographies of all the monasteries in Amdo, its learned Lamas, Tulkus, and Geshes, and the prominent historical figures based on findings from the religious histories of the region and other relevant documents. In the beginning of 2004, with permission from the Office of His Holiness the Dalai Lama I hired Lutsang Lobsang Yeshe and Datsenpa Tsering Dhondup. I instructed them to review everything that had been done up to this date. This they did for more than a year and their achievement was significant. However, before the work was completed, my very dear friend Lobsang Yeshe died suddenly, having succumbed to poor health. His death was a disaster not just for my historical work, but also for my friends in the Tibetan intellectual community.

For nine years, I gave up everything else to devote myself fully to this project, which also meant totally ignoring my family affairs, not sharing responsibility with my spouse, nor paying attention to my children's education. These past few years have finally culminated in the successful completion of this project. Words cannot suffice to express my joy at being able to contribute this unprecedented six-volume work of history as a common resource for everyone.

Of the six volumes, the first represents the main beams and pillars of the history of Amdo. Consisting of more than 750 pages of body text, it chronicles the history of Tibet from the time humans first emerged there until 1958, the

status of Tibet as a whole under each of the different government powers, and the status of Amdo during each of those periods. Instead of following well-established positions on matters concerning the status of Amdo during those periods, and refusing to be cowered by what the lama-tulkus, local chiefs, and other strict adherents to local positions say, I strived to follow the guideline provided by his Holiness the Dalai Lama. In line with this, I tried to exercise a completely independent course of judgements. Nevertheless, there are many places in this work where on a few particular matters, I did not have the confidence to fully record all my fully independent ideas.

The second volume contains over 640 pages. It brings together the histories of Lho Gyalmo Tsawa Rong, Upper and Lower Ngawa, the Twelve Wings of Zoege, the Three Divisions of Golog, Whelshul Serta, Whelshul Mewa, the Three Divisions of Zangkar, Zungchu, Drugchu, Chone, Batse and Thewo.

The third volume, with over 690 pages, covers the histories of Ladrang Sangchu Dzong and its jurisdictional areas, Luchu Dzong, Machu Dzong, and the Mongol Yulgan Dzong.

The fourth volume deals with the histories of the Tibetan areas of Tso-ngon Province in the Rebkong region and of Pari in over 650 pages.

The above three volumes (second to fourth) cover the histories of the Amdo region and of the particular areas within it. It encompasses 53 Dzongs from Gyalrong in the South to Tso-ngon in the north, and from Kachu in the east to Golog in the west. I have presumed to have written a detailed history of these and the numerous other inhabited areas not included in them. Nevertheless, in the case of some places, I could neither lay my hands on any written records, nor find any person to interview. There have, therefore, been many instances in which I have been left with nothing to write about. Hence, with regard to the people residing in these areas I have nothing to offer and must seek their forgiveness.

In the fifth volume, I have compiled whatever information I could gather on the histories of the monasteries of the four great Buddhist religious sects and of the Bon religion, the hermitages and tantric centres in the Amdo region. It consists of over 900 pages of body text. They include information about the establishment of the monasteries, the names of their founders, the places where they were set up and their religious affiliations, clarifying the history of those years to whatever extent I could gather the details. I have written very brief footnotes of importance relating to their histories, so that readers will not be irritated by lengthy commentary, retaining crucial and beneficial information that can be viewed at a glance. Nevertheless, because there were many instances in which the original, old documents contained absolutely no information about dates and other details, it was impossible to render everything complete in every respect. Accordingly, it could be considered a drawback of this volume that because of the constraints of time, it was not possible to carry out completely satisfactory research, with the result that some errors cannot be ruled out.

The sixth volume is devoted to the life stories of all the great scholars of Amdo that I could source. Presented in chronological order, it consists of over 720 pages of body text. It elucidates their names, birthplaces, dates of birth and death, and their religious affiliations to whatever extent it was possible to determine them. A brief biography of each of them appears in the footnotes and their informative value is not insignificant. Nevertheless, there have been many cases in which I could not find any dates of birth or death, places of birth, nor – apart from their names – any life stories. It should be possible for those able to carry out more in-depth research to supplement these missing details.

In the course of writing this history, I also put aside a list of historical terms, as I found it pertinent to compile a collection of them in order to create a dictionary later on. I assigned Ghangkar Gyalsey to accomplish this within six months. However, there is still much work to be done in terms of obtaining a comprehensive list of terms and with limited time, the project remains incomplete. I remain hopeful, however, of eventually publishing this work.

One of the major difficulties from the very beginning to the tail end of carrying out this research project was that the Chinese works of history were in stark opposition to the contents of the Tibetan historical archives. The Chinese documents speak of Tibet being under Chinese rule even before the beginning of the current Anno Domino years. The Chinese have published a pile of books a mountain-high telling shameless lies about Tibet having had only a visage of an identity as a country during almost 200 years of rule under the Tsenpo kings while being fully under Chinese rule in every respect. For example, in *Notes on the Ming Dynasty* published by the Chinese government there are three volumes on Tibet while in the Notes on the Manchu Qing Dynasty - consisting of over 100 volumes - there are 11 exclusive volumes on Tibet. In addition, today there are Chinese government establishments in every part of Tibet, whose output of articles and books falsifying the history of Tibet is so voluminous that it is impossible to read them all, much less to examine their contents' claims. Even copying down the addresses of the publishers alone would require a strenuous amount of effort.

It is particularly worth noting that the outlook towards the writing of history on the part of early scholars in Tibet and China (not including most of the Tibetan historians writing Tibet's history under Chinese rule today) had been totally different. The Chinese scholars had written history from the perspective of long-term political objectives with the result that their efforts were directed at trying to render the entire details of their works in political connotations. On the other hand, the Tibetan scholars of history, lacking interest in politics to any great degree, had devoted their expertise and skill to exalting the miraculous powers of lamas and their clairvoyance and dreams.

The reference sources of the Chinese and Tibetan historians were also totally different. For example, the Chinese had an inherent habit of describing as their own, any and every piece of neighbourhood, land and territory they saw or heard about, whether actual, or on maps. In addition, most of them were family men with interests in ensuring the security of their food, clothing and reputation. On the other hand, most of the Tibetan historians considered all the pleasures and fame enjoyable in this world as merely dreamlike

fleeting moments of happiness; they were dedicated religious scholars to whom the promise of joy in the life hereafter was more important. Thus, there was absolutely no commonality between the historians on the two sides in terms of their outlook towards life. Because of this lack of meeting of minds, their historical works too were marked, on the one side, by the viewing of politics as the wall of their historical building work, and on the opposing side an attitude of contempt for politics. Such were their back-to-back views of history writing.

The most illuminating impression I gathered during my nine years of researching historical works was that although the old lama-historians had either no grasp of the importance of politics, or did not attribute any importance to it, there was very little evidence that they were guilty of distortions or falsifications. Conversely, it was difficult to rely on the credibility of most of the historical works by Chinese scholars. In view of this, I find most instructive the suggestion of the modern scholar of Tibet, Muge Samten: 'rely mainly on Tibetan sources when writing Tibet's history, and rely mainly on Chinese sources when writing Chinese history.' In writing each section of this history, I first approached Tibetan sources and took as reference the materials that were amenable to examination. Regarding the corresponding Chinese sources, which differed from the Tibetan versions, I sought to analyse them on the basis of their reliability and authoritativeness.

However, we, the mountain people of Tibet, have an innate habit of trying to be evasive when it comes to embarking on major projects, of dreading greatly the initiation of potentially controversial new projects, and of being reluctant to acknowledge the fruits of efforts made by others. Being very familiar with these habits, I, a man of humble bearing, having accomplished this work after years of enduring hardship without complaint, do not entertain any great hope for generating applause. Nevertheless, it would be very difficult for the fruits of the continuous day-and-night struggle of my nine years of labour on this project, to be equalled by a person who worked regular office hours for twenty years. This I can say with utmost confidence. It is, of course, inevitable that these volumes are subject to some deficiencies such as a lack of clarity, incompleteness, incorrectness or incoherence,

resulting from inherent human limitations, failure to find relevant research documents, the inadequacy of knowledge and lack of experience of the author, and of time constraints in undertaking the research. Nevertheless, as the product of an effort of monumental proportions, conducted across continents, I can claim to be in a position to state that more than 95 percent of its contents are accurate. It therefore, deserves requisite recognition for whatever positive outcome it generates.

One important thing I must clarify here, is that although His Holiness the Dalai Lama has a wide knowledge about the subjects of this historical research work from beginning to end, and I perceived it as a great fortune that His Holiness had given a general assent to write its foreword, upon reflection, I deemed it proper not to ask him for his contribution. In my view, history is, unlike other works, directly concerned with a great many historical figures, and it is impossible that every historian has a similar appreciation of the virtues and vices of each one of them. Consequently, there is no certainty that the positions on historical events and developments I have adopted in this work necessarily conform to that of His Holiness. In addition, there is no certainty that in the case of some general and specific sections in this work, future readers and researchers will agree with the views adopted here. I could not bear to live with the thought that as a result of others' critical views on this work, the name of His Holiness too should be denigrated. With this in mind, my desire to seek a foreword from him progressively diminished. I remain hopeful that whatever the shortcomings of these volumes are, the responsibility should be attributed to me alone, not to others for any reason, including by association for having borne its expenses.

If someone asked for elucidation of the special features of this work of history written in the 21st century - though perhaps better provided by its readers, especially historical researchers - they are as follows:

1) There has been no overall history of Amdo until now, apart from Draggonpa Konchog Tenpa Rabgey's book on the religious history of Amdo written in 1865.

- 2) In this work, the deities' planning and building of abodes and realms have been replaced by giving pre-eminence to narrating the actual history of human society.
- 3) Instead of accepting as truth everything seen in writing and ignoring one's own initiative, the main focus in reading texts has been to interpret and analyze their facts.
- 4) In more than a few cases, there have been instances of findings and chronological explanations of events where, for example, only the years Earth-Bird and Fire-Rabbit were mentioned in the original documents without any mention of their corresponding *Rabjung* (the sixty-year cycle in the Tibetan calendar) or where, in numerous cases, the animal symbols of the years were not mentioned at all. Subsequently, recourse was taken to use alternative means of research.
- 5) In order to resolve problems arising from the troublesome confusion of facts in historical data or in the life stories of lama-tulkus or the histories of the status of monasteries, each was separately dealt with.
- 6) Every effort was made to ensure brevity and economy of language by avoiding, to the greatest extent possible, the use of obscure, archaic and elaborate linguistic terms that render it difficult to discern actual historical facts. Also, the use of distorting terms possessing only symbolic local meanings were dispensed with. Thus, the tone of the work is that of a universal language ensuring that any Tibetan-literate can read and understand it.
- 7) A conscious attempt was made to avoid disrespecting the accomplishments of other scholars through plagiarism of their work. Where quotes were required, they were clearly attributed without corrective adulteration. The sources of these quotes are clearly recorded in the footnotes.
- 8) The prevalent practice of the corrective adulteration of names and terms for local areas, regions, and so on, was avoided. Rather, research opinions

were recorded regarding the possible connotations for these names. No conclusions were drawn on the basis of mere surmise.

- 9) High priority was given to maintaining the names and terms clearly recorded in earlier standard historical and biographical works, no recourse having been taken to obliterating the wordings of earlier scholars in order to win credit for oneself.
- 10) Efforts were made on the part of the author, to ensure objectivity and impartiality, avoiding the interference of personal feelings in the narration of historical events.

The Author 30 October 2008

क्रिंयापार्यायळ्ययाक्ष्यिताक्ष्या

ने'ने'ननेभन्नेभप्निम्भञेन'ननन'कुस्भ

चींद्रात्र्यं त्रायद्वात्र त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त्राय्यं त् चींद्रायं त्रायं त्राय

र्चन्छुः बट्णाट्यायः इंडान्स्याम् ग्राम्यायः स्थितः स्वास्य स

કેંચાયા માં ફેંપ્રાના હ્રદાય દ્રેવાયા ચેંપ્રાને સ્વાયત્ર છે ત્રાયત્ર માં માના ત્રાયત્ર પ્રાપ્ત માના ત્રાયત્ર પ્રાપ્ત માના ત્રાયત્ર છે ત્રાય ત્રાયત્ર છે તે ત્રાયત્ર છે ત્રાયત્ર છે ત્રાયત્ર છે ત્રાયત્ર છે ત્રાયત્ર છે ત્રાય

ક્રિયા માં મું માન વૃદ્ધા કે ત્રા ક્રે માન વિષ્ણ કર્યા છે. ત્ર ક્રે માન ક્રે મ

 $\frac{1}{2} \left\{ \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) + \frac{1}{2} \left(\frac{1}{$

 च्यात्म न्यात्म न्यात

मील व की क्रिंच प्रचान व का प्रचान क्रिंच क

स्वास्त्र स्वास

 ब्र्टा क्रुंथालुवावित्वयाच्यावयाचयाक्ष्याक्र्याञ्चरक्र्याचरक्ष्याचराक्ष्याचरा ब्रह्मायर्द्र्न्चुरा ही.सं.१९९५ स्र्राखाडीया.इएक्व्याडीया.सं.हीवा.प्र्यंद्रायद्र् તલુવે.સૂર્તે. $\widehat{\mathbb{A}}$ બ.ભૂદ યા.કૂજા.તા.સૂપુ.શૂર્વા યા.છુવે.કૂવો.તજર $\widehat{\mathbb{A}}$ ધા.તજર છે. ત્યાં સ્થેત્ય. જ્યાં भ्रम्यादेरःश्चरः द्वारायाः प्राचेतः स्रोश्चितः याः विवानीः यानाः वयः देनः ववाः देयः प्रविः र्ये दे द्वार् क्रिया साधिवा ही र्ये १००० व्यवस्थिता तार्के र वार्य दिवा वार्य दे द र्चेन्'ग्रे'म्न्य'मु'पद्मेते' चर्चे स्पर्मे सेन्यम्य स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स नुःक्षेत्रवार्वेदायादेवी दवार्देराग्रह्मवावात्रेदायह्यायादेवाचा ट्रे.लुबी क्र्रिट.मु.क्षेथ.क्र्रूंश.विम.लट.त्र्.खुम.चय्रम्थ.तप्.चम.क्ष्मश्र.कृत् रज. त.भिय.ऐ.एसिट्याता.र्टा घवा.यवा.लट.लट, प्रमुच.ता विध्यायवेट.की.सूचया चः अर्धेः प्रतेः क्षुं प्रदेशः अह्यायतेः इयाय शुराना दाया विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय त्तृवःक्रॅबात्वेवाधरात्ते।त्रदावेषाधिराश्चेत्रस्त्रायार्टरामेषान् र श्चेषा $\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{A}}^{1}\times\tilde{\mathbb{$ म्चेट र्खेल तन्तर विन चुन पन मार्वेट निव निन में में मार्चेट निव निन में में मार्चेट तह्नवायात्रेन्द्रान्द्र्यासुन्धुवातस्न्त्रीयात्रेन्स्यान्वयायात्रेन्यान् धेव। दे व्यापञ्चर देण पते में न्या पति स्थाप स् न्यास्व र्द्ध्व लेग्न माञ्चीमा सुरत्य त्या रेमा विष्ट माण्य विष्ट र प्रायम स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था न्मू. श्रीट. रेट. कूर्वे बारायरे. रे. याष्ट्राया प्रमूच वाराया विषया में या वाराया विषया विषया विषया विषया विषय ढ़ॊटॱऻॱॴॺॱय़ॻऻॸॱॾॕॖॸॱॻॱॺॕॻऻॺॱॻॖॏॺॱय़ॆॺॱॸॖॱॺ॓ॺॺॱय़ॻॱढ़ॆॱॻय़॓ॱॼॕॻऻॺॱॻॕॱक़ॻॺऻ

क्रिंगिःच इय्यक्षक्ष्यः वित्तं वित्त

क्ष्मश्राचेत्राच्या क्ष्याच्या स्थान्य स्थान

યું ત્યાં ક્રેંચ ર્ક્સ લ્યા (ક્રાન્યને વૃજ્ઞ માના સું માના જેવા માના સું માન

म्त्रिं क्रिं क्रिं क्रिं क्रिं त्वा यायदे न्याया क्रिं क्रिं त्वा व्यव्यक्ष क्रिं त्वा क्र

ह्यें प्राचित्र केंद्र विद्या केंद्र विद्या केंद्र केंद्र विद्या केंद्र क्षेत्रः क्कें दायायायायाया विवा वाष्याया इयवा दे निग्र रामके रामा रामिका विवास विवास विवास विवास विवास विवास व क्षेंबबः नगः गुरः ह्रेनः यः बेनः यदेः गुः चुरः दिन । बेनः सुगवः यवः रः सुगवः दिग्रेयरार्झे के प्रवासी वाया अप अप मिला चे ती से से से स्वास मिला से साम येवबायावी ब्रेंत्रानुः श्रेष्यापुः पृष्ट्रेंत्राचार्त्रारेत्राचबश्चराष्ट्रीता वितायवत्रात्रता चविषःश्रेषःश्रद्धाः १८.२.श्र्र्दः। वि. यदः देवः विषः श्रेवः विषः श्रेवः विषः श्रेवः विषः श्रेवः विषः चरः खं यत्र चुन्न यन् विंदः दे क्रिंतः वर्षः यहे वन् वासे दः देन विंतः से दा च£.धीवो.पत्तरे-(वे.की.चेबाताक्षेत्र) क्र्रा-रटाश्रह्णाश्चेत्रवा क्रावित्वत्रक्षाक्षेत्रेटा च इश्रमः ग्रीचः सः प्रदामः क्ष्मः प्रत्मः स्वापः स्वापः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वरं स्वर्षः स्वरं वयात्रहेता. क्रुवा. पर्वे. या. चेया. पर्वे. क्रुवे. प्राप्त वया. पर्वे या. परवे या. पर्वे या. परवे या. पर्वे या. पर् रे.चर.क्र्याल्वयात्रे.क्र्.स्.यपु.विजाक्री.ज्.ब्री.व.क्र्य.क्रीय.क्र्य.क्रीय.क्र्य.क्रीय.क्र्य.क्रीय.क्रिय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क्रीय.क नक्ष्यान्त्रेषान्त्रार्क्षन्त्रीषानुदायार्षेत्। धेवावतरार्ह्यन्त्रीकान्त्रार्क्षेत्राम् ॅर्य-रिक्नाम्हिट-व्रबाक्ष:र्सम्बानासुट्बाय-विवा र्यःहि:केव्यः दुना-तुंबार्क्स-सुटः द्विवान्। वटार्नायक्षेत्रवाचनवाचलायारार्यवाचार्यक्षाप्रवाचक्षेत्राच्या विवे वनार्क्रम्म् वर्षायहेन् नार्थान् । अस्तर्भाषायम् (B.A.) विवायान्य वित्रायान्य वित्रायान्य वित्रायान्य वित्रायान्य र्से म्बर्भ से व्याप्त स्वतः स्वाप्त स्वर्भ स्वय्य स्वर्भ स्वय्य स्वय्य स्वयं स्व क्रेव-र्रामान-न्योवेषायाम्य-र्रुट्य । यावव-र्रेव-श्चित्यःयः श्चेंद्रयः योद्यः यावयः यक्तेवर्भेगिट्रिनेवर्षव्यावर्षा विकर्केर्भेद्रायवेखर्द्रायर्भेर्यावे देःग्रेविःद्रश्राभेशं चुरा र्थे क्रुशः ग्रे देवा घेरा केदार्थे प्रदेश द्रापाया अर्केदाद्रा चुरा \mathcal{L} ସଂକ୍ରି'ପଟ.ଏକ୍ରିଘ୍ୟ.ମ। ୟ.ପହିର୍.କ୍ରି'ଓକ୍ରି'ୟକ୍ରି'ଯେ'ମ। \mathcal{L} ଅ'ଯେବିର୍.କ୍ରି'ହ୍ଲେ'ମର୍ त्री क्रुच. ट्र्ये. क्री. पर्रोज. क्या का का क्रिय. क्रियं क्री. द्रीयं क्रियं क्रियं क्री. द्रीयं क्रियं क्री. द्रीयं क्रियं क्री. द्रीयं क्रियं क्र ची चित्र स्थालिया स्

યાલ મું સું સાના સું તાલું ક્રી માર્સ તાલું ક્રી મારા સું તાલું કર્યા તાલું કર્યા તાલું તાલું કર્યા તાલું તાલું

য়द्गःश्रॅमःम्विषम्यः पतिःश्वाः व्याः भ्रेतः प्रदान्तः युवः पत्रियमः पतिः मृतः हेषः प्रवादा। श्रेवः प्रदान्तः युवः पत्रियमः पतिः श्रेः गः वया। श्रेवः प्रवादे प्रवादे प्रवादे । स्वाद्याः प्रवादे । स्वाद्याः स्वाद्य

श्चीर्यः २००५ त्रुः १ छेत्रः २ (प वटः र्यः पठुः ५ हिंस्रयः ग्रीः) देवः इः यः मट्यः

यर्ने श्चर र्जे कुष केवर्के श्चेष षर प्रथा

द्येत्रःश्रेद्रःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्दःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्धःम्बद्दःम्बद्दःम्बद्दःम्बद्दःम्बद्दः

प्रक्र-चप्तः च्यकः र्श्वलः यहें प्रत्यः प्रक्षः यह क्ष्यः विद्यः प्रत्यः विद्यः विद्य

બારનશર્જીશનાતે.ચીળાને.શાર્જ્યને.છુટા \ સારનશન્મું માત્રું માર્જ્યને સાર્જ્યને સાર્જ

हुव्यात्रार्श्चिन्यरायद्यन्यत्यत्यराञ्चरः द्या । यदेव्यत्यतः श्चेव्यः त्यत्यः त्यत्यः त्यत्यः । वना स्वा श्चेतः श्चेत्रः त्यत्यः त्यत्यः । वेवः तुः नुगारः यदेः श्चेत्रः त्यत्यः श्चेत्यः स्वा ।

विव्रः मुंब्रः स्वाः त्ये त्यः स्वयः स स्वयः स् स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्वयः

क्रुंनेय-द्रवाक्षात्र्यायक्षात्र्यात्र्युव्यायक्ष्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र् देट-द्रव्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र क्रिया-द्रव्याक्ष्याय्यायक्ष्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र